चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... अमर उजाला ....

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या ..... 2 ..... कॉलम ..... 1-5 .....

गाय की धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक महत्ता भी

वैज्ञानिकों से रुबरु हुए डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया, बोले - जैविक उत्पाद व खाद को लेकर कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। वैज्ञानिक गोमाता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह बात राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गो संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक में कही।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गोमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार किए जा सकें। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर मुक्त खेती के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में अपनाना होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया। संवाद

आधुनिक समय के ऋषि मुनि हैं वैज्ञानिक : गर्ग

हरियाणा गो सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक समय के ऋषि-मुनियों की भूमिका अदा करें, क्योंकि जिस समय देश विश्व गुरु था, उस समय ऋषि मुनि ही वैज्ञानिकों की तरह काम करते थे। इस दौरान डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत आदि भी मौजूद रहे।

खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

गोमूत्र पर अनुसंधान करे लुवास : राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. बल्लभ भाई कथीरिया ने कहा कि गो पालन को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के अधिकारियों एवं विभागाध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को चाहिए कि गोमूत्र पर अनुसंधान करके इसके चिकित्सीय गुणों को प्रतिष्ठित करे। हमें गाय के गोबर पर भी शोध करके इसे अधिक उपयोगी बनाना चाहिए। उन्होंने वैज्ञानिकों को गाय

गाय का दूध औषधि समान, बने शोध संस्थान

अमर उजाला ब्यूरो

एचएयू और लुवास के साथ मिलकर बनाया जाए पंचगव्य शोध संस्थान

हिसार। गाय के दूध को औषधि माना गया है। गो अर्क से बहुत सी बीमारियां ठीक होती हैं, लेकिन विज्ञान प्रमाण मांगता है। प्रमाण सामने लाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) और लाला लालपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (लुवास) के साथ मिलकर एक पंचगव्य शोध संस्थान बनाने की जरूरत है, ताकि गाय के दूध व पंचगव्य उत्पादों को लेकर अधिक से अधिक शोध हो सके। कृषि एवं पशु विश्वविद्यालय होने के कारण इसके लिए हिसार उपयुक्त जगह है।

इस संबंध में जिला गोसेवा प्रमुख और ग्राम पंचायत आर्य नगर ने एक मांगपत्र राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के चेयरमैन डॉ. वल्लभभाई कथीरिया को सौंपा है। इस संबंध में आयोग के चेयरमैन ने अन्य पशुओं की तरह गाय के लिए भी एक शोध संस्थान बनाए जाने की जरूरत बताते हुए उनकी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया।

गाय के हर हिस्से पर शोध की जरूरत : गोसेवा प्रमुख रणधीर हिंदवान ने कहा कि गाय में सूर्यकेतु नाड़ी कैसे क्रिया करती है, उसमें क्या उत्पन्न होता है कि सोने की भस्म भी बनती है। ऐसे में इन सब चीजों को वैज्ञानिक ढंग से देखने और लोगों में विश्वास व्यक्त करने के लिए शोध की जरूरत है। हिसार में कृषि विश्वविद्यालय और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के साथ मिलकर राष्ट्रीय कामधेनु आयोग एक कामधेनु एवं पंचगव्य शोध संस्थान स्थापित कर सकता है।

भैंस फार्म एवं पशु प्रजनन विभाग के गाय फार्म का दौरा किया। पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. दिवाकर प्रकाश शर्मा ने विश्वविद्यालय की तरफ से राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अध्यक्ष डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, हरियाणा

स्वागत किया गया। डॉ. दिवाकर शर्मा ने लुवास द्वारा गोसेवा के कल्याण कार्यों एवं इसके द्वारा किए जा रहे अनुसंधान की जानकारी दी। इस मौके पर गाय फार्म में अध्यक्ष डॉ. कथीरिया व श्रवण गर्ग ने त्रिवेणी लगाई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कलपति डॉ.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25...10...2020...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-6.....

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डैमो यूनिट : डॉ. क

एच.ए.यू. के कुलपति व वैज्ञानिकों से रूबरू हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्

कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया।

हिसार, 24 अक्तूबर (ब्यूरो): वैज्ञानिक गौमाता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौसंरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ. कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। कुलपति प्रो. समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया।

डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुलपति से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डैमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर मुक्त खेती के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में अपनाना होगा।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में करीब 100 एकड़ में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इसमें किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। यहां से किसान अधिक से अधिक जैविक खेती के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत सहित अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......हरि भूमि......

दिनांक ...25.10.2020... पृष्ठ संख्या ......9...... कॉलम ......2-8......

गाय व खेती को एक-दूसरे के पूरक बनाएं, जहर मुक्त खेती के लिए अभियान चलाएं

कृषि विज्ञान केंद्रो पर भी लगाए डेमो यूनिट : डॉ. कथीरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

वैज्ञानिक गोमाता व कृषि को एक दूसरे का पूरक
मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें।
गाय की धार्मिक महता के साथ-साथ उसकी
वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके
लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए।
यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय
अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई
कथीरिया ने विश्वविद्यालय के
वैज्ञानिकों से किया। वे
शनिवार को हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के कुलपति
प्रोफेसर समर सिंह,
विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों
व अधिकारियों से गो-संरक्षण को
लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस
दौरान हरियाणा गोसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण
गर्ग व हरियाणा गोसेवा आयोग के सचिव डॉ.
कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। इस मौके पर
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने
विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों से अवगत
कराया।

जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है एचएयू : प्रो. समर सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में करीब सौ एकड़ में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

आधुनिक समय के ऋषि मुनि हैं वैज्ञानिक : श्रवण गर्ग

हरियाणा गोसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक समय के ऋषि-मुनियों की भूमिका अदा करें, क्योंकि जिस समय देश विश्वगुरू था, उस समय ऋषि मुनि ही वैज्ञानिकों की तरह काम करते थे। पराधीनता के समय सभी अपनी जिम्मेदारियों से भटक थे। अब समय है कि वे अधिक से अधिक गोसेवा के संरक्षण को लेकर काम करें और अपने शोध कायार्ंे को भी इसी दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश करें।

यह रहे मौजूद

एचएयू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत सहित अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करें

अध्यक्ष कथीरिया ने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर मुक्त खेती के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में अपनाना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पल पल........

दिनांक 24.10.2020 पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट: डॉ. कथीरिया

कहा: किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है

➡ प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके

पल पल न्यूज: हिसार, 24 अक्टूबर। वैज्ञानिक गौ माता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौ संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ.कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लेकर लिखी गई एक पुस्तक व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार उत्पाद भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......हिसार टुडे......

दिनांक 24.10.2020......पृष्ठ संख्या...... – ......कॉलम...... – ......

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट : डॉ. वल्लभ

गाय व खेती को बनाएं एक-दूसरे के पूरक, जहर मुक्त खेती के लिए चलाएं अभियान : डॉ. कथीरिया

- एचएयू के कुलपति व वैज्ञानिकों से रूबरू हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष

टुडे न्यूज़ | हिसार

वैज्ञानिक गौ माता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया।

वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौ संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ.कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लेकर लिखी गई एक पुस्तक व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार उत्पाद भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर मुक्त खेती के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में अपनाना होगा। वैज्ञानिक इसे अपना धर्म मानते हुए ज्यादा से ज्यादा किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। वे इस दिशा में रिसर्च भी इसी प्रकार की करें जो जन साधारण के लिए उपयोगी, आर्थिक रूप से वहन करने योग्य व अधिक प्रभावी हो। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिए उन्हें आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए जैविक खेती के प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया।

देशव्यापी कामधेनु दीपावली अभियान जारी : राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने बताया कि उन्होंने देशव्यापी कामधेनु दीपावली अभियान चलाया हुआ है जिसके तहत गाय के गोबर आधारित उत्पाद जैसे दीये, मूर्तियां, रंगोली आदि तैयार किए हैं। इससे एक ओर जहां पर्यावरण प्रदूषित होने से बचेगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उनका लक्ष्य घर-घर तक गाय के गोबर व गौमूत्र के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करना है। साथ ही इससे गाय को संरक्षित करने में मदद मिलेगी और गाय के गोबर व गौ मूत्र से तैयार जैविक खाद के उपयोग से किसान व देश आर्थिक रूप से समृद्ध होगा व विदेशों से आयात होने वाले उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी।

जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है एचएयू : प्रोफेसर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में करीब सौ एकड़ में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। यहां से किसान अधिक से अधिक जैविक खेती के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं।

आधुनिक समय के ऋषि मुनि हैं वैज्ञानिक : श्रवण गर्ग

हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री श्रवण गर्ग ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक समय के ऋषि-मुनियों की भूमिका अदा करें, क्योंकि जिस समय देश विश्वगुरु था, उस समय ऋषि मुनि ही वैज्ञानिकों की तरह काम करते थे। पराधीनता के समय सभी अपनी जिम्मेदारियों से भटक गए। अब समय है कि वे अधिक से अधिक गौ सेवा के संरक्षण को लेकर काम करें और अपने शोध कार्यों को भी इसी दिशा में आगे बढ़ाने की कोशिश करें।

ये रहे मौजूद

इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ.कल्याण सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत सहित अधिष्ठाता, निदेशक व विभागाध्यक्ष मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सच कहूं.....

दिनांक 24.12.2020 पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

गाय व खेती को बनाएं एक-दूसरे के पूरक : डॉ. कथीरिया

- जहर मुक्त खेती के लिए चलाएं अभियान
- एचएयू के कुलपति व वैज्ञानिकों से रूबरू हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष

हिसार (सच कहूँ न्यूज)।

वैज्ञानिक गौ माता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौ संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ. कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लेकर लिखी गई एक पुस्तक व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार उत्पाद भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....एच आर ब्रेकिंग....

दिनांक 24.10.2020....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

कृषि विज्ञान केंद्रों पर भी लगाएं डेमो यूनिट : डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया

गाय व खेती को बनाएं एक-दूसरे के पूरक, जहर मुक्त खेती के लिए चलाएं अभियान : डॉ. कथीरिया

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। वैज्ञानिक गौ माता व कृषि को एक दूसरे का पूरक मानते हुए इसी दिशा में शोध कार्य को बढ़ावा दें। गाय की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ उसकी वैज्ञानिक महत्ता को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए किसानों को भी जागरूक किया जाना चाहिए। यह आह्वान राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से किया। वे शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों से गौ संरक्षण को लेकर आयोजित बैठक के दौरान बोल रहे थे। इस दौरान हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्री श्रवण गर्ग व हरियाणा गौ सेवा आयोग के सचिव डॉ.कल्याण सिंह भी साथ में मौजूद थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उनका विश्वविद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और विश्वविद्यालय में जारी शोध कार्यों व अन्य गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह को गाय के गोबर के गुणों को लेकर लिखी गई एक पुस्तक व गाय के गोबर व गौमूत्र से तैयार उत्पाद भी भेंट किए। उन्होंने कहा कि किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने में कृषि विज्ञान केंद्रों का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह से कहा कि वे ऐसी योजना तैयार करें जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों पर डेमो यूनिट लगाई जाएं और गाय को पालते हुए उसके गोबर व गौमूत्र से जैविक उत्पाद व खाद तैयार की जा सके। यहां से किसानों को भी प्रशिक्षण दिया जाए ताकि किसान इस क्षेत्र में भी स्वरोजगार स्थापित करें और आर्थिक रूप से समृद्ध होकर पर्यावरण को भी संरक्षित कर सकें। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि जहर मुक्त खेती के लिए इस दिशा में काम करने की जरूरत है और किसानों को जागरूक करने के लिए इसे अभियान के रूप में अपनाना होगा। वैज्ञानिक इसे अपना धर्म मानते हुए ज्यादा से ज्यादा किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करें। वे इस दिशा में रिसर्च भी इसी प्रकार की करें जो जन साधारण के लिए उपयोगी, आर्थिक रूप से वहन करने योग्य व अधिक प्रभावी हो। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को बचाने के लिए उन्हें आर्थिक, सामाजिक, शारीरिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए जैविक खेती के प्रति जागरूक करने की जरूरत है।

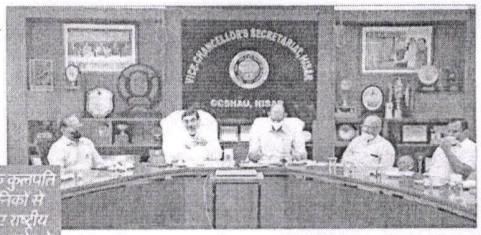

एचएयू के कुलपति व वैज्ञानिकों से रूबरू हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष

विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया।

देशव्यापी कामधेनु दीपावली अभियान जारी

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने बताया कि उन्होंने देशव्यापी कामधेनु दीपावली अभियान चलाया हुआ है जिसके तहत गाय के गोबर आधारित उत्पाद जैसे दीये, मूर्तियां, रंगोली आदि तैयार किए हैं। इससे एक ओर जहां पर्यावरण प्रदुषित होने से बचेगा वहीं दूसरी ओर रोजगार के अवसर भी बढेंगे। उनका लक्ष्य घर-घर तक गाय के गोबर व गौमुत्र के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करना है। साथ ही इससे गाय को संरक्षित करने में मदद मिलेगी और गाय के गोबर व गौ मूत्र से तैयार जैविक खाद के उपयोग से किसान व देश आर्थिक रूप से समृद्ध होगा व विदेशों से आयात होने वाले उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी।

जैविक खेती को बढ़ावा दे रहा है एचएयू : प्रोफेसर समर सिंह : *चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में करीब सौ एकड़ में दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की हुई है। इस केंद्र में किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए काम किया जा रहा है और इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। यहां से किसान अधिक से अधिक जैविक खेती के बारे में जानकारी हासिल कर रहे हैं।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 26.10.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5:8.....

एचएयू और एबिक सेंटर मिलकर देंगे एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा, एमओयू पर हस्ताक्षर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. समर ने कहा- स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार और इसमें स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस एमओयू के तहत अब एचएयू और एबिक सेंटर दोनों साथ मिलकर एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देंगे। समझौते पर एचएयू के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एक्ट एवं नियम-2012 के तहत पंजीकरण किया गया है।

एमओयू साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विवि एक-दूसरे की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कॉन्फ्रेंस हॉल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विवि की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रबंधन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक-उद्योग-अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और बुनियादी ढांचे को सांझा करेंगे। समझौता ज्ञापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है।

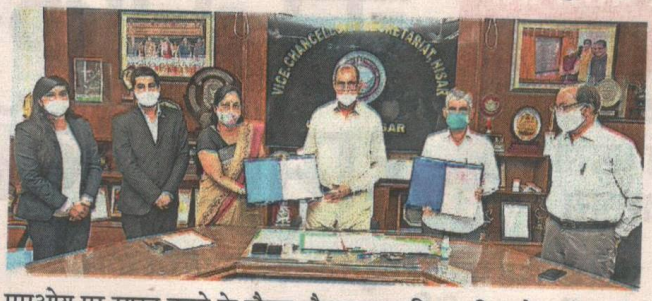

एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद कुलपति व एबिक के अधिकारी।

विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रो. समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 26.10.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3-7.....

एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एमओयू साइन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) व एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते के तहत अब एचएयू व एबिक सेंटर दोनों एक साथ मिलकर एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देंगे। समझौते पर विवि के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत अब एबिक सेंटर व विवि एक-दूसरे की सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कॉन्फ्रेंस हॉल, आइडिया रूम, स्टार्टअप के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप का प्रयोग कर सकेंगे। इसी तरह विवि की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। समझौता ज्ञापन में ईको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कंप्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है।

एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अधिकारी।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा : विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रो. समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं।

एचएयू व एबिक सेंटर दोनों एक दूसरे की सुविधाओं का कर सकेंगे उपयोग

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निभाएगा अहम भूमिका : एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 26.10.2020....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....2-6.....

एचएयू और एबिक सेंटर मिलकर देंगे एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व इसमें स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एमओयू हुआ है। इसके तहत एचएयू व एबिक सेंटर मिलकर एग्री स्टार्ट अप को बढ़ावा देंगे। समझौते पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। एमओयू साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक-दूसरे की उपलब्ध सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कांफ्रेंस हाल, आइडिया रूम, स्टार्ट अप के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्ट अप प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्ट अप व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा।

एचएयू व एबिक के बीच एमओयू पर साइन करने के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अधिकारी। ● पीआरओ

ये रहे मौजूद

एमओयू के साइन करते समय विश्वविद्यालय की ओर से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आरके झोरड़ व एबिक की ओर से नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी मौजूद थे। इसके अलावा कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डा. एमएस सिद्धपुरिया अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी डा. सीमा ने कहा- आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निभाएगा अहम भूमिका

एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्ट अप को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकेजिंग व ब्रांडिंग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

समझौते के दौरान संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं।

उत्तर भारत का एकमात्र केंद्र है एबिक: विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. आरके झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है।

यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है, जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्ट अप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्ट अप की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है।

फसल अवशेषों का आधुनिक तकनीकों व मशीनों से करें प्रबंधन

जागरण संवाददाता, हिसार : किस फसलों के अवशेषों को जलाने व बजाय उनका आधुनिक तकनीकों मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंध करें। इससे एक ओर जहां पर्यावर को प्रदूषित होने से बचाया जा सक है, वहीं दूसरी ओर जमीन की उर्व शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिल है। यह आह्वान चौधरी चरण सिं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एव शिक्षण संस्थान में फसल अवशेष प्रबंधन विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे खुद के साथ अन्य किसानों को भी इस बारे में जागरूक करें और फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.........नभ छोर.........

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

एक दूसरे की सुविधाएं प्रयोग करने के लिए हकृवि व एबिक के बीच एमओयू

हिसार/25 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व इसमें स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एक्ट एवं नियम.2012 के तहत पंजीकरण किया गया है। एमओयू के साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक.दूसरे की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कांफ्रेंस हाल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रबंधन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक उद्योग अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और बुनियादी ढांचे को सांझा करेंगे। समझौता ज्ञापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए.नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है व कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

एक दूसरे की सुविधाएं प्रयोग करने के लिए हकृवि व एबिक के बीच एमओयू

हिसार/25 अक्टूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व इसमें स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एक्ट एवं नियम.2012 के तहत पंजीकरण किया गया है। एमओयू के साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक.दूसरे की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कांफ्रेंस हाल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फैकल्टी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रबंधन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक उद्योग अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और बुनियादी ढांचे को सांझा करेंगे। समझौता ज्ञापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्प्यूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है। विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए.नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्टअप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है व कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार की अपार संभावनाएं तलाश सकते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....सच कहूँ....

दिनांक ..25..12..2022.. पृष्ठ संख्या....–....कॉलम....–....

एचएयू बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए हिसार-हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

सच कहूँ/संदीप सिंहमार
हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

"विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए।"

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने उम्मदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे इन परीक्षाओं के परिणाम व दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू व एबिक सेंटर एक साथ मिलकर देंगे एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार व इसमें स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबिक) के बीच एक एमओयू पर साइन हुए हैं। इस एमओयू के तहत अब एचएयू व एबिक सेंटर दोनों एक साथ मिलकर एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देंगे। समझौते पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों व एबिक अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। इस सेंटर को हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एक्ट एवं नियम-2012 के तहत पंजीकरण किया गया है। एमओयू के साइन होने के बाद एबिक सेंटर व विश्वविद्यालय एक-दूसरे की उपलब्ध सारी सुविधाएं प्रयोग कर सकेंगे। इसके तहत एबिक के कांफ्रेंस हाल, आइडिया रूम, स्टार्टअप्स के लिए केबिन व निर्माणाधीन प्रयोगशालाओं को एचएयू के चयनित विद्यार्थी, फेकलटी व एग्री स्टार्टअप्स प्रयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार विश्वविद्यालय की इसी प्रकार की सभी सुविधाओं को एबिक सेंटर अपने स्टार्टअप्स व अन्य प्रयोजनों के लिए प्रयोग कर सकेगा। अब

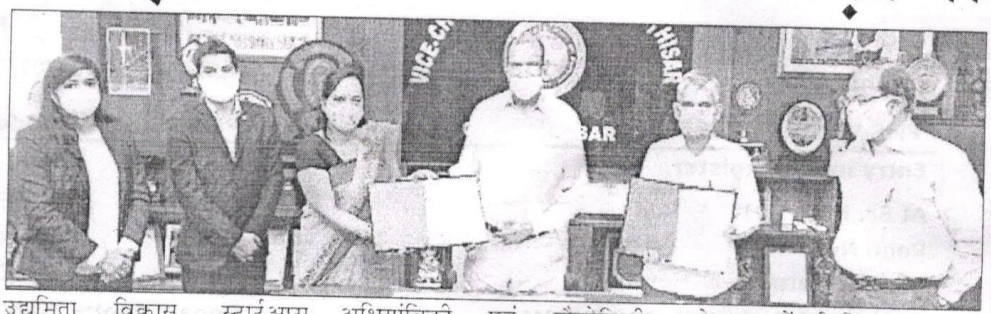

उद्यमिता विकास, स्टार्टअप्स समर्थन, नवाचार प्रबंधन, भावी कृषि और सहयोगी स्टार्टअप के लिए अकादमिक-उद्योग-अनुसंधान अंतर लिंकेज के लिए तकनीकी जानकारी, विशेषज्ञता, ज्ञान, संसाधन और बुनियादी ढांचे को सांझा करेंगे। समझौता ज्ञापन में इको सिस्टम स्थापित करने और लैब्स, कम्पयूटिंग सुविधाएं आदि के प्रयोग की भी अनुमति है। समझौते के दौरान संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति व एबिक के अध्यक्ष प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि एबिक सेंटर युवाओं को कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने का एक सुनहारा अवसर प्रदान कर रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता लेकर युवा नौकरी खोजने की बजाय नौकरी देने वाले बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ ने बताया कि यह सेंटर विश्वविद्यालय में नाबार्ड व राष्ट्रीय कृषि विकास योजना-रफ्तार की सहायता से गत वर्ष स्थापित किया गया है। यह केंद्र उत्तर भारत का पहला केंद्र है जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि व संबंधित क्षेत्र में नए-नए स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। यह इनक्यूबेशन सेंटर अब तक 80 से अधिक कृषि स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में सहायता कर रहा है। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि चयनित एग्री स्टार्ट-अप्स को दो महीने के प्रशिक्षण के दौरान बिजनेस व तकनीकी व उद्यमी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सभी प्रयोगशालाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायी जाती है। उन्होंने बताया कि युवा, किसान व उद्यमी एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिग करके व्यापार में अपार संभावनाएं तलाश सकते है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवा व किसानों के कृषि व कृषि से संबंधित उनमें विद्यमान कौशल व उनके नवाचारों को निखारना है। एमओयू के साइन करते समय विश्वविद्यालय की ओर से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़ व एबिक की ओर से नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी मौजूद थे। इसके अलावा कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक 24.10.2020 ....पृष्ठ संख्या....5....कॉलम....3-5....

शिक्षा | हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए परीक्षा केंद्र, 1500 कर्मचारी कराएंगे प्रवेश परीक्षा

एचएयू में प्रवेश परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है,। इस परीक्षा के लिए करीब 12000 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, सैनिटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति होगी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे तक चलेगी।

1500 कर्मचारियों के कंधे पर होगी जिम्मेदारी

परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बीएससी एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की डयूटियां लगाई गई हैं। इनमें से कुछ कर्मचारियों की परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का जायजा लेने की डयूटी लगाई गई थी, जिन्होंने परीक्षा से एक दिन पूर्व ही परीक्षा भवन का दौरा कर सभी प्रकार की व्यवस्था का जायजा लिया।

इन शिक्षण संस्थानों को बनाया परीक्षा केंद्र

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सी.आर. लॉ कॉलेज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्टिरलिंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी(हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 24-10-2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-5.....

एचएयू में प्रवेश परीक्षा आज 12 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल

हिसार व हांसी में 24 केंद्रों पर सुबह 10:30 से दोपहर एक बजे तक होगी परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए शनिवार को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि इस परीक्षा के लिए करीब 12 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे।

प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, सैनिटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है। सभी परीक्षार्थियों के हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की

अनुमति होगी। साथ ही केंद्रों पर परीक्षार्थियों को मास्क भी मुहैया करवाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे तक चलेगी।

1500 कर्मचारियों को जिम्मेदारी : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बीएससी एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया है। परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

यहां बनाए गए हैं परीक्षा केंद्र : परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सीआर लॉ कॉलेज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्टर्लिंग यूनिवर्सिटी, एफसी महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी (हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला .....

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4-6.....

एचएयू : 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी की प्रवेश परीक्षा

5875 प्रतिशत परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित, 24 स्कूलों में बनाए गए थे केंद्र

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। परीक्षा को लेकर हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

परीक्षा का समय सुबह साढ़े बजे का था। परीक्षार्थी एक घंटे पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गए। कोरोना के चलते ज्यादातर परीक्षार्थी निजी वाहनों से ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। परीक्षा केंद्रों में दाखिल होने से पहले सभी परीक्षार्थियों के हाथों को सैनिटाइज कराया गया और साथ ही उन्हें मास्क भी उपलब्ध कराए गए। परीक्षा केंद्रों में सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए उनके बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा दोपहर एक बजे तक चली।

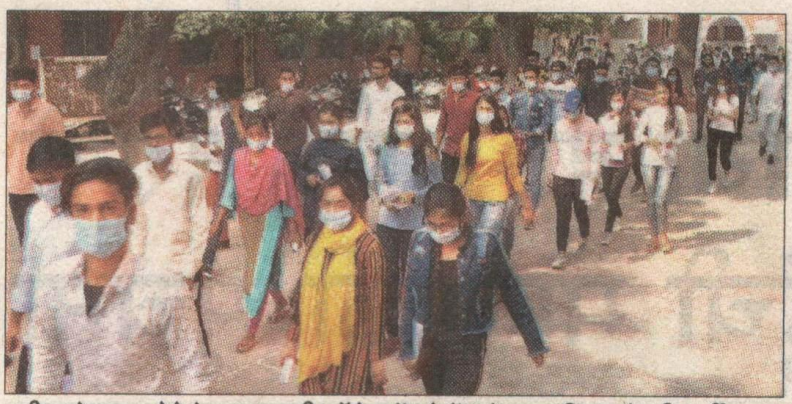

परीक्षा के खत्म होने के बाद एफसी कॉलेज में बने केंद्र के बाहर निकलते परीक्षार्थी। *संवाद*

कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया।

हाथ में बंधे धागे भी उतरवाए : परीक्षा के दौरान काफी सख्ती देखने को मिली। इस दौरान परीक्षा केंद्र में दाखिल होने से पहले परीक्षार्थियों के हाथों में बंधे हुए धागे भी उतार लिए गए। हालांकि इस दौरान कुछ परीक्षार्थियों ने इस पर आपत्ति जताई, लेकिन सख्ती के कारण उन्हें इस नियम को मानना ही पड़ा।

शहर में रही जाम की स्थिति : परीक्षा खत्म होने पर जैसे ही परीक्षार्थी अपने घरों की तरफ लौटने लगे तो शहर में कई जगहों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई। इस कारण लोगों को थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक ट्रिब्यून, दैनिक भास्कर.....

दिनांक 25.10.2020....पृष्ठ संख्या...5,...7.....कॉलम...3,...6.....

बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य कोर्स के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

हिसार, 24 अक्तूबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में कोरोना के चलते आधे छात्र ही पहुंचे। जबकि हकृवि प्रशासन ने 12,018 परीक्षार्थियों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था की थी। कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज़ ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए 12,018 ने ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन प्रवेश परीक्षा में सिर्फ 6,143 छात्र शामिल हुए। प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

एचएयू में प्रवेश पाने को 6143 ने दी परीक्षा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर, अमर उजाला

दिनांक 26.10.2020 ....पृष्ठ संख्या....3, 2........कॉलम....5, 1-2....

फसल अवशेषों का तकनीकों और मशीनों से करें प्रबंधन : डॉ. आरएस

हिसार | किसान फसल अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों से उचित प्रबंधन करें। इससे एक तरफ जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है, दूसरी तरफ जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में मदद मिलती है। यह आह्वान एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'फसल अवशेष प्रबंधन' विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं बल्कि अन्य किसानों को भी इस बारे में जागरूक करें और फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं।

फसल अवशेषों का करें उचित प्रबंधन : डॉ. हुड्डा

हिसार। किसान फसलों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंधन करें। इससे एक ओर जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है, वहीं दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने कही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 25.10.2020....पृष्ठ संख्या....4............कॉलम....4-5.........

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी के लिए प्रवेश परीक्षा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार और हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

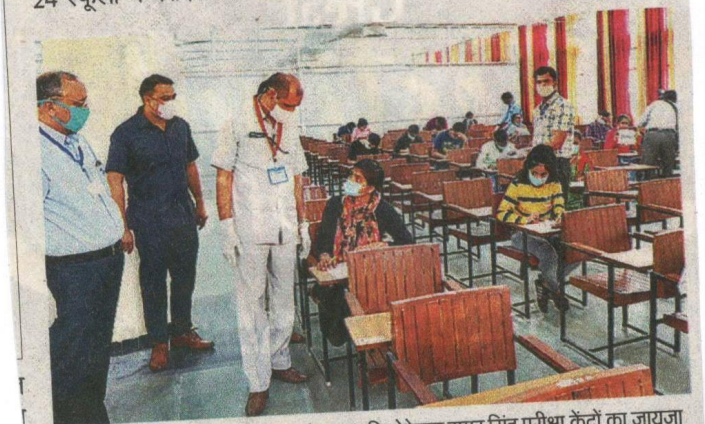

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए। कोरोना से बचाव के सभी नियमों का पालन किया गया। ● पीआरओ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 24.10.2020 पृष्ठ संख्या.....3..... कॉलम.....3-6.....

एचएयू में बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स में प्रवेश के लिए परीक्षा आज से

24 स्कूलों में बनाए केंद्रों पर 12 हजार स्टूडेंट्स परीक्षा देंगे, 1500 कर्मचारी संभालेंगे जिम्मेदारी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को होने वाली प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 12 हजार परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। कोरोना के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, सेनेटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा किया गया है। हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति होगी। परीक्षार्थियों को मास्क भी मुहैया करवाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बीएससी एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया था। परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई हैं।

जानिए... किन स्कूलों में बनाए गए हैं सेंटर्स

प्रवेश परीक्षा के लिए हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इनमें विवि के कृषि कॉलेज, गृह विज्ञान कॉलेज, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव विद्यालय, गुरु जंभेश्वर विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स विद्यालय, सीआर स्कूल, विद्या भारती स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल आदि सेंटर्स बने हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम हरिभूमि

दिनांक 24.10.2020 पृष्ठ संख्या 3 कॉलम 7-8

एचएयू में प्रवेश परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

करीब 12,000 परीक्षार्थी देंगे पेपर

- 1500 कर्मचारियों पर परीक्षा को शांतिपूर्वक कराने की जिम्मेदारी

डॉ. बीआर कंबोज
कुलसचिव

- हिसार और हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्टूबर को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया जा रहा है। इस परीक्षा के लिए करीब 12000 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए परीक्षा केंद्रों पर बैठने की व्यवस्था की गई है जबकि परीक्षा को शांति पूर्वक कराने को 1500 कर्मियों की इयूटी लगाई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 24.10.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-8.....

एच.ए.यू. में प्रवेश परीक्षा आज, तैयारियां पूरी

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र

हिसार, 23 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए 24 अक्तूबर को आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए करीब 12000 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके।

उन्होंने बताया कि परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था, सैनिटाइजेशन व अन्य सुविधाओं को पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सैनिटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति होगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को मास्क भी मुहैया करवाए जाएंगे। परीक्षा सुबह 10.30 से दोपहर एक बजे तक चलेगी।

1500 कर्मचारियों के कंधे पर होगी जिम्मेदारी : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब 12000 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसमें से 11692 ने बी.एससी. एग्रीकल्चर और करीब 500 ने बी.एससी. मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। इनमें से कुछ कर्मचारियों की परीक्षा केंद्र की व्यवस्था का जायजा लेने की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने परीक्षा से एक दिन पूर्व ही परीक्षा भवन का दौरा कर सभी प्रकार की व्यवस्था का जायजा लिया।

उन्होंने बताया कि हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सी.आर. पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनैशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, सी.आर. लॉ कॉलेज, सैंट कबीर स्कूल, ओम स्टिरलिंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आर.पी.एस. गढ़ी (हांसी), श्रीकृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25.10.2020...पृष्ठ संख्या....2.....कॉलम....3-4.....

एच.ए.यू. में 6143 ने दी बी.एससी. 4 वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा

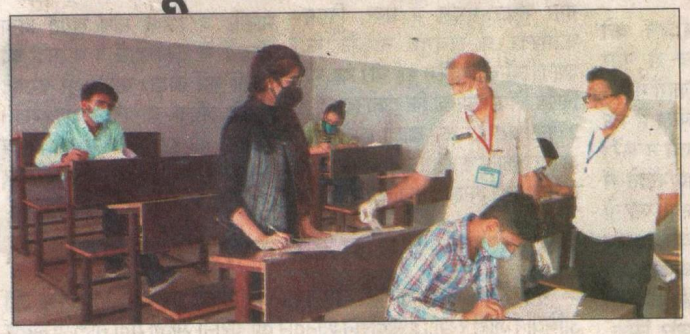

परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए।

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

हिसार, 24 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 अनुपस्थित रहे। इतनी संख्या में परीक्षार्थियों का परीक्षा के लिए न आना कोरोना महामारी कारण बताया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

इसके लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए ताकि कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बी.एससी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के 4 वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....एच आर ब्रेकिंग....

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या .... कॉलम ....

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

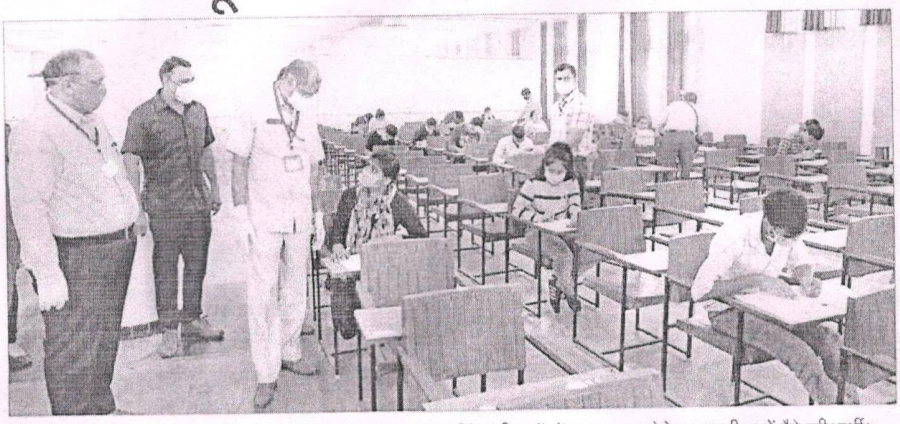

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

यहां-यहां बनाए गए थे परीक्षा केंद्र : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 12018 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन रूप से बीएससी एग्रीकल्चर और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, सी.आर. लॉ कॉलेज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्टिरलिंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी(हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......एच आर ब्रेकिंग......

दिनांक 25.10.2020...पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा

हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए थे परीक्षा केंद्र

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।

उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

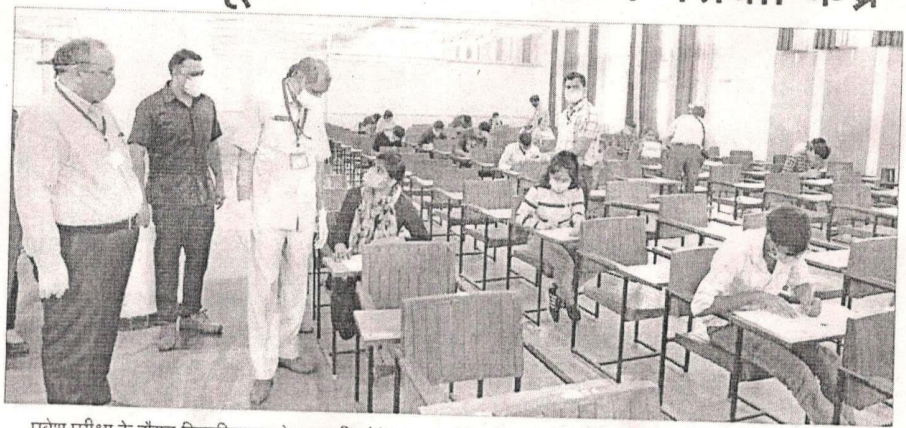

प्रवेश परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

यहां-यहां बनाए गए थे परीक्षा केंद्र : परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए 12018 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन रूप से बीएससी एग्रीकल्चर और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय, गृह विज्ञान महाविद्यालय, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, कैंपस स्कूल, ठाकुर दास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गुरु जंभेश्वर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्लूमिंग डेल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीआर पब्लिक स्कूल, विद्या भारती पब्लिक स्कूल, सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल, विश्वास वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, न्यू यशोदा पब्लिक स्कूल, डी.ए.वी. पुलिस पब्लिक स्कूल, सी.आर. लॉ कॉलेज, सेंट कबीर स्कूल, ओम स्टिरलिंग यूनिवर्सिटी, एफ.सी. महिला महाविद्यालय के अलावा हांसी क्षेत्र के श्री काली देवी विद्या मंदिर स्कूल, हांसी, आरपीएस गढ़ी(हांसी), श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल हांसी, हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हांसी, यदुवंशी स्कूल व बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति व कुलसचिव ने किया निरीक्षण

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 25.10.2020...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा

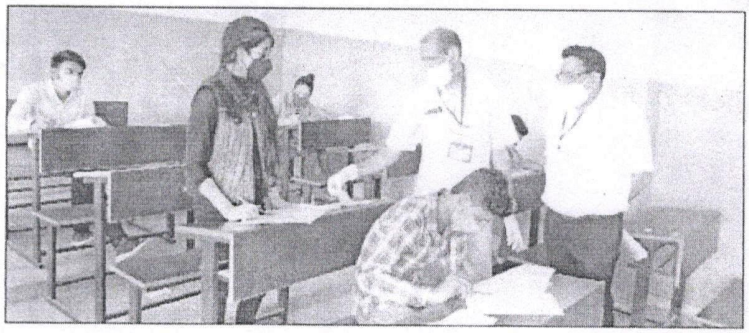

पल पल न्यूज: हिसार, 24 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके। उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... जगमार्ग ....

दिनांक 24.10.2020 पृष्ठ संख्या .... — .... कॉलम .... — ....

एग्जाम हिसार व हांसी के 24 स्कूलों में बनाए गए परीक्षा केंद्र

एचएयू में 6143 परीक्षार्थियों ने दी बीएससी के लिए प्रवेश परीक्षा

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए परीक्षा का आयोजन कोरोना महामारी के चलते केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए करीब 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिसार व हांसी क्षेत्र के 24 स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े और कोरोना महामारी के चलते जारी हिदायतों का भी सही तरीके से पालन हो सके।

प्रवेश परीक्षा के दौरान निरीक्षण करते कुलपति प्रो. समर सिंह व अन्य अधिकारी।

उन्होंने बताया कि इन प्रवेश परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय व विश्वविद्यालय से बाहर के करीब 1500 कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई थीं। प्रवेश परीक्षा से एक दिन पहले ही सभी परीक्षा केंद्रों को सेनेटाइज कराया गया था। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से ही परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर हाथ सेनेटाइज करवाने के बाद ही परीक्षा भवन में प्रवेश करने की अनुमति दी गई और उन्हें मास्क भी मुहैया करवाए गए। सामाजिक दूरी का भी विशेष ध्यान रखते हुए उसी अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा सुबह 10 बजकर 30 मिनट से दोपहर एक बजे चली।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा किया व परीक्षा संबंधी सभी तैयारियों का जायजा लिया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे इन परीक्षाओं के परिणाम व दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर चेक करते रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 24.10.2020 पृष्ठ संख्या 5 कॉलम 2:3

एचएयू के गृह विज्ञान कॉलेज में मास्क मेकिंग प्रतियोगिता

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृहविज्ञान महाविद्यालय में शुक्रवार को क्रिएटिव मास्क प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों ने सुबह से ही मास्क की डिजायन ऑनलाइन डालनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही प्रतियोगिता का आयोजन पारिवारिक संसाधन विभाग के तहत इवेंट मैनेजमेंट में कौशल विकास के विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य है कि क्रिएटिव मास्क सामने आएं, जिससे लोगों को इसी प्रकार के अच्छे मास्क उपलब्ध कराए जा सकें। एचएयू बड़े स्तर पर इस कार्यक्रम को आयोजित कर रही है।

मास्क पहनना अनिवार्य : विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मंजू मेहता ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन व देखरेख में होगा। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते मास्क पहनना अनिवार्य है ताकि वायरस का संक्रमण न फैल सके। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. किरण सिंह ने बताया कि कोरोना काल में जहां मास्क लगाना अनिवार्य है, तो ऐसे में हर कोई स्टाइलिश, आकर्षक, बढ़िया, आरामदायक व सुरक्षात्मक मास्क पहनने की तम्मना रखता है।

वीडियो भी बनवाया

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी को अपनी मास्क बनाते हुए की 10 से 15 सेकंड का वीडियो और मास्क की फोटो विभाग की ई-मेल आईडी पर शाम पांच बजे तक भेजेंगे। देर शाम प्रतियोगिता के विजेताओं को मेरिट सर्टिफीकेट जबकि प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता को लेकर एचएयू के कुलपति प्रो समर सिंह ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को समाज के प्रति कुछ करने की भावना प्रकट करती है। एचएयू हमेशा से ही इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित करता रहा है। पहले जहां बाजरे के बिस्किट व अन्य प्रोडक्ट तैयार कर लोगों को नई दिशा दिखाई अब मास्क को आकर्षक बनाया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 24-10-2020 पृष्ठ संख्या 1 कॉलम 1-2

दिन का तापमान सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा, रातें ठंडी

भास्कर न्यूज | हिसार

शहर में दिन में सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया है। सिटी का शुक्रवार को अधिकतम तापमान 34.8 सेल्सियस दर्ज किया गया। रात का तापमान सामान्य 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जोकि सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। प्रदेश में 29 अक्टूबर तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील परंतु खुश्क रहने की संभावना है। इसके अलावा क्षेत्र में कहीं-कहीं 25 अक्टूबर रात्रि व 26 अक्तूबर को हल्की बादलवाई छाई रहेगी। इस दौरान बीच-बीच में हवाएं चलने से तापमान में हल्की गिरावट संभव है।

पुर्वानुमान

प्रदेश में 29 अक्टूबर तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील, 25 और 26 को हल्की की बादलवाई रहेगी

मौसम पर आधारित कृषि सलाह देते हुए डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि किसान सरसों की बिजाई जल्दी पूरी कर लें। देशी चने की बिजाई के लिए खेत को अच्छी तरह से तैयार करें तथा उन्नत किस्मों के साथ बिजाई शुरू करें। उन्होंने बताया कि देसी चने की उन्नत किस्मों बिरानी व सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी 1 तथा सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी 3 (मोटे दाने वाली किस्म) व एचसी 5 किस्मों का प्रयोग करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 25.10.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....4-5.....

रात का तापमान 12.8 डिग्री वायु गुणवत्ता सूचकांक 342 पर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मौसम में परिवर्तन जारी है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है और 12.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। तीन दिन बाद रात्रि तापमान 13 डिग्री से नीचे आया है। तापमान में गिरावट के साथ रात के समय ठंड की दस्तक बढ़ने लगी है। दूसरी तरफ, शुक्रवार को जिले में एक भी जगह पर पराली नहीं जलाई गई, इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक वीरवार के 238 की अपेक्षाकृत शुक्रवार को 342 पर पहुंच गया।

दिनभर धूप रही, लेकिन वातावरण में प्रदूषण का प्रभाव सांस के मरीजों को परेशान करता रहा। हरसेक ने शुक्रवार को कृषि विभाग को एक जगह पर आग लगने की रिपार्ट दी थी, लेकिन वहां पराली में आग लगी नहीं मिली।

शुक्रवार को दिन के तापमान में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई और 34.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को सुबह के समय मौसम में आर्द्रता 68 प्रतिशत और शाम के समय भी 68 प्रतिशत दर्ज की गई।

इस सप्ताह 10 से 13 डिग्री रहेगा रात्रि तापमान, शुक्रवार को एक भी जगह नहीं जली पराली

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार, 26 अक्तूबर तक मौसम परिवर्तनशील एवं खुश्क बना रहेगा। इस दौरान दिन का तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच और रात्रि तापमान 10 से 13 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

जिले में अब तक 45 जगह जली पराली, 41 के चालान : जिले के गांवों में अब तक 45 जगहों पर पराली जलाए जाने के मामले सामने आए हैं। इसके लिए 41 लोगों के एक लाख दो हजार पांच सौ रुपये के चालान किए गए हैं। हालांकि हरसेक ने कृषि विभाग को अब तक 100 जगहों पर आग लगने की रिपोर्ट दी है, लेकिन कृषि विभाग की टीम ने मौके का मुआयना करने के बाद 45 जगहों पर पराली में आग लगना पाया था। शुक्रवार को जिले में पराली जलाने को कोई केस नहीं आया, लेकिन फिर भी एक्यूआई 342 पर पहुंच गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 26.10.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 1-2

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. मदन खिचड़

यूं करें मौसम अनुसार फसलों की बिजाई

प्रदेश में 30 अक्तूबर तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील, परंतु खुश्क रहने की संभावना है। क्षेत्र में कहीं-कहीं 26 अक्तूबर रात्रि को आंशिक बादल रहेंगे। इस दौरान बीच-बीच में हवाएं चलने से तापमान में हल्की गिरावट की संभावना है।

सरसों : सरसों की बिजाई उन्नत किस्मों आरएच 725, आरएच 749, आरएच 30, आरएच 406 आदि के प्रमाणित बीजों से जल्दी पूरी करें। बिजाई से पहले 2 ग्राम कारबेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से अवश्य उपचारित करें।

चना : देसी चने की बिजाई के लिए खेत को अच्छी प्रकार से तैयार करें और उन्नत किस्मों के साथ बिजाई शुरू करें। देसी चने की उन्नत किस्में बारानी व सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी एक और सिंचित क्षेत्रों के लिए एचसी तीन (मोटे दाने वाली किस्म) व एचसी पांच किस्मों का प्रयोग करें। बिजाई से पहले बीज का राइजोबियम के टीके से उपचार करें।

अन्य बीज उपचार : जड़ गलन बीमारी से बचाने के लिए 2.5 ग्राम बाविस्टीन प्रति किग्रा. बीज की दर से उपचारित करें। उखेड़ा रोग से बचाव के लिए बिजाई से पूर्व बीज का उपचार जैविक फफूंदीनाशक ट्राईकोडरमा विरिडी (बायोडरमा) 4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज प्लस विटावैक्स 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें। यह प्रक्रिया राईजोबियम से उपचारित करने से पहले कर लें।

डॉ. मदन खिचड़
विभागाध्यक्ष, कृषि मौसम विज्ञान विभाग एचएयू।

गेहूं की अगेती बिजाई के लिए करें सही किस्मों का चयन : गेहूं की बिजाई के लिए अगेती बिजाई वाली उन्नत किस्मों के बीजों का प्रबंध करें व खाली खेतों को अच्छी प्रकार से तैयार करें। अगेती बिजाई के लिए यदि अच्छा पानी उपलब्ध हो तो डब्लूएच 1105, एचडी 2967 ,एचडी 3086 व डब्लूएच 711 किस्मों के प्रयोग करें। यदि कम पानी उपलब्ध हो तो अगेती बिजाई के लिए सी 306, डब्लूएच 1080, डबलूएच 1142 किस्मों का प्रयोग किया जा सकता है।

प्रस्तुति : संदीप बिश्नोई, हिसार

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पाठकपक्ष.....

दिनांक 25.10.2020....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

फसल अवशेषों का आधुनिक तकनीकों व मशीनों से करें प्रबंधन : डॉ. आर.एस. हुड्डा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 25 अक्टूबर : किसान फसलों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंधन करें। इससे एक ओर जहां पर्यावरण को प्रदुषित होने से बचाया जा सकता है वहीं दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'फसल अवशेष प्रबंधन' विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं बल्कि अन्य किसानों को भी इस बारे में अधिक से अधिक जागरूक करें और फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. ए.के. गोदारा ने संस्थान द्वारा बेरोजगार युवाओं के लिए चलाए जाने वाले विभिन्न कौशल कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी और इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए आयोजकों व प्रशिक्षणार्थियों की सराहना की।

क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान कौल(कैथल) के सहायक वैज्ञानिक डॉ. राकेश खरब ने प्रतिभागियों को धान की कम समय में पकने वाली किस्मों जैसे पुसा-1121, पुसा-1501 आदि को अपनाने की सलाह दी, क्योंकि इनमें फसलों के अवशेष कम होते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद से जिला विस्तार विशेषज्ञ(मृदा विज्ञान) डॉ. संतोष कुमार सिंह ने फसलों के अवशेष को मिट्टी में मिलाने के लिए आधुनिक मशीनों व तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति में बढ़ोतरी होती है। सहायक निदेशक डॉ. निर्मल कुमार ने फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले नुकसान को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन के विभिन्न लाभों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम के संयोजक सहायक निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागी शामिल हुए। इस दौरान प्रतिभागियों ने फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर सवाल-जवाब भी किए जिनका बहुत ही बेहतर तरीके से वैज्ञानिकों द्वारा समाधान किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...पायनियर...

दिनांक 25.10.2020 ... पृष्ठ संख्या ... — ... कॉलम ... — ...

फसल अवशेष का मशीन के माध्यम से करें उचित प्रबंधन : हुड्डा

हिसार. किसान फसलों के अवशेषों को जलाने की बजाय उनका आधुनिक तकनीकों व मशीनों के माध्यम से उचित प्रबंधन करें। इससे एक ओर जहां पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है वहीं दूसरी ओर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में भी मदद मिलती है। यह आह्वान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने किया। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'फसल अवशेष प्रबंधन ' विषय को लेकर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित कर रहे थे।